Sanskrit
Explore – Journal of Research for UG and PG Students
ISSN 2278 – 0297 **(Print)**
ISSN 2278 – 6414 **(Online)**
© Patna Women's College, Patna, India
http://www.patnawomenscollege.in/journal

जन-स्वास्थ्य में आयुर्वेद की भूमिका

संगीता राय • सौम्या कुमारी • प्रिया कुमारी • स्मिता कुमारी

Received : December 2010
Accepted : February 2011
Corresponding Author : Smita Kumari

Abstract : *आयुर्वेद विश्व का प्राचीनतम चिकित्सा विज्ञान है। पूर्णरूपेण विकसित इस चिकित्सा-पद्धति का लक्ष्य रोगों को दूर करना और रोगी न होने के उपायों का निर्देश करना है। इसमें मनुष्य को रोगमुक्त रखने के लिए आदर्श जीवन शैली, उत्तम दिनचर्या और समुचित आहार-विहार का निर्देश है। वैदिक काल में ही आयुर्वेद का उद्‌भव एवं विकास हो चुका था। परवर्ती साहित्य चरक संहिता, सुश्रुत संहिता तथा अष्टाङ्गहृदय आदि इसके आधार ग्रन्थ हैं। प्रस्तुत शोध-प्रकल्प का उद्देश्य है आयुर्वेद के ऐतिहासिक एवं सैद्धान्तिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को स्थापित करना। आयुर्वेद में वर्णित वनस्पतियों, जड़ी-बूटियों, फल, फूल, सब्जियों तथा मसालों के औषधीय महत्व का भी वर्णन किया गया है।*

आयुर्वेद की लोकप्रियता भारत ही नहीं पूरे विश्व में बढ़ी है। लेकिन इसके विकास की राह में अनेक चुनौतियाँ और समस्याएँ भी हैं। इनके निदान के लिए सुझाव दिए गए हैं।

शब्द कुँजी: *आयुर्वेद, अष्टाङ्ग, स्वास्थ्य-रक्षा प्रणाली, औषधियाँ।*